Resource: अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

License Information

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका) (Hindi) is based on: Biblica Study Notes, Biblica Inc., 2023, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

PHM

फिलेमोन 1:1–25

फिलेमोन 1:1–25

कई लोग पौलुस को यीशु के बारे में सुसमाचार प्रचार करने से रोकना चाहते थे। इसी कारण उन्हें बन्दीगृह में डाल दिया गया था।

उन्होंने फिलेमोन का अभिवादन अपने प्रिय मित्र और भाई के रूप में किया। वे एक साथ साझेदार के रूप में कार्य करते थे ताकि मिलकर सुसमाचार प्रचार करने और परमेश्वर के लोगों को सशक्त बनाने के लिए मिलकर काम किया। फिलेमोन यीशु के प्रति विश्वासयोग्य थे और दूसरों के प्रति प्रेम दिखाते थे। इससे पौलुस धन्यवाद और आनंद से भर गया।

फिलेमोन और पौलुस एक-दूसरे से बहुत प्रेम करते थे। पौलुस नहीं चाहते थे कि वे एक प्रेरित के रूप में अपनी अधिकार का उपयोग करके फिलेमोन को कोई आदेश दें। इसके बजाय, उन्होंने फिलेमोन से उनके पारस्परिक प्रेम के आधार पर कुछ करने का निवेदन किया।

पौलुस ने फिलेमोन से निवेदन किया कि वे उनेसिमुस को दंडित न करें। पौलुस के समय में फिलेमोन को उनेसिमुस को मृत्युदंड देने का अधिकार था। ऐसा इसलिए था क्योंकि उनेसिमुस फिलेमोन का दास था और वह भाग गया था। लेकिन पौलुस चाहते थे कि फिलेमोन उनेसिमुस को वापस स्वीकार करें।

उनेसिमुस ने बन्दीगृह में रहते समय पौलुस की देखभाल की थी। वह पौलुस के उतने ही करीब हो गया था जितना एक पुत्र अपने पिता के होता है। पौलुस चाहते थे कि फिलेमोन उनेसिमुस के साथ दास के रूप में नहीं, बल्कि एक भाई के रूप में व्यवहार करें। उनेसिमुस फिलेमोन के लिए उतने ही प्रिय हो सकते थे जितने पौलुस थे। यह इसलिए था क्योंकि फिलेमोन और उनेसिमुस अब परमेश्वर के परिवार में भाई थे। वे शांति में फिर से एक साथ आ सकते थे क्योंकि वे यीशु के थे।

पौलुस ने कहा कि वह फिलेमोन को उनेसिमुस द्वारा ली गई किसी भी चीज़ या उसके द्वारा किए गए किसी भी गलत कार्य का भुगतान करने के लिए तैयार है। पौलुस यह भी चाहते थे कि फिलेमोन उनेसिमुस के साथ वैसे ही व्यवहार करें जैसे वे पौलुस के साथ करता। यह दर्शाता है कि पौलुस और उनेसिमुस के बीच कितनी घनिष्ठता थी। यह उतना ही करीब था जितना यीशु ने मत्ती 10:40–42 में अपने शिष्यों से जुड़ने का वर्णन किया था। पौलुस को विश्वास था कि फिलेमोन पौलुस की अपेक्षा से भी अधिक करेंगे। इससे पौलुस की यह आशा प्रकट होती है कि फिलेमोन उनेसिमुस को स्वतंत्र कर देंगे।